व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

पत्तल बनाना

के लिए

स्वयं सहायता समूह-एकता निहारी बल्ह

एसएचजी/सीआईजी नाम	एकता निहारी बल्ह
वीएफडीएस नाम	खुड्डी
रेंज	लड भरोल
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	6
5.	कार्यकारिणीसारांश	6
6.	डीआय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादनप्रक्रियाओं	7
8.	उत्पादनयोजना	7-8
9.	बिक्रीऔर मार्केटिंग	8-9
10.	स्वोटविश्लेषण	9
11।	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	10
12.	विवरणअर्थशास्त्र का	10-11
13.	एआय और व्यय का विश्लेषण	11
14.	फंडमांग	12
15.	सूत्रों का कहना हैनिधि का	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमताभवन निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	गणनासम-विच्छेद बिंदु का	13
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	13
19.	निगरानीतरीका	14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	15
22.	समूह फोटो	16
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	17
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	18

1. परिचय-

एकता निहारी बल्हएसएचजी का गठन हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत किया गया था, जो वीएफडीएस खुड्डी के अंतर्गत आता हैऔर रेंज लड़ भडोल इस स्वयं सहायता समूह में 07 महिलाएँ हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में पत्तल (प्लेट) और दूना (कटोरा) बनाने का फैसला किया। इन महिलाओं के पास पहले से ही पास के जंगल में बहुत सारे टौर के पत्ते थे। इस तरह के पत्तल की मांग इलाके के साथ-साथ आस-पास के बाज़ार में भी बहुत ज़्यादा है।

तोर के पत्तों से प्लेट बनाना कोई नई बात नहीं है। यह एक पुरानी अवधारणा है, जिसमें एक व्यक्ति तोर के पत्तों को इकट्ठा करता था, उन्हें धोकर साफ करता था और फिर दो से तीन पत्तों को लकड़ी के छोटे पिनों से बांध देता था। यह पारंपरिक तरीका आज भी मौजूद है, लेकिन बहुत कम संख्या में। तोर के पत्तों से प्लेट बनाने का पारंपरिक तरीका कम होने का मुख्य कारण बाजार में एल्युमीनियम प्लेट जैसी दूसरी प्लेट का कम होना और तोर के पत्तों से प्लेट बनाने की कम उम्र है। दूसरा कारण यह है कि इसमें समय लगता है और बहुत ज़्यादा मज़दूरी करनी पड़ती है और अब बहुत कम लोग ही बचे हैं जो पारंपरिक तरीके से प्लेट बनाते हैं।

चूंकि पर्यावरण के अनुकूल चीजों की मांग बढ़ रही है। यह एक अच्छी आय सृजन गतिविधि है जो पूरी तरह से बायो-डिग्रेडेबल है और मानव स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं डालती है, पूरी तरह से सुरक्षित है और एल्यूमीनियम प्लेटों की जगह ले सकती है। एल्यूमीनियम प्लेटें अच्छी हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर खतरा नहीं हैं, लेकिन चूंकि उनके संसाधनों की कमी है और एल्यूमीनियम एक महत्वपूर्ण संसाधन है, इसलिए इसका उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, तोर के पत्तों की प्लेट बनाने की पारंपरिक विधि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए संभव नहीं है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, अब बाजार में बहुत कम समय में तोर के पत्तों की प्लेट बनाने के लिए विशिष्ट मशीनें उपलब्ध हैं। बहुत से लोगों ने यह व्यवसाय शुरू किया है, लेकिन अभी भी ऐसे अन्य व्यवसायों के लिए बहुत गुंजाइश है जो फल-फूल सकते हैं। चूंकि ऐसी प्लेटों की मांग बहुत अधिक है। चूंकि इन महिलाओं के पास तोर के पत्तों की बड़ी आपूर्ति है और बाजार के बारे में जानने के बाद, उन्होंने मिलकर पत्तल बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	एकता निहारी बल्ह
2.	वीएफडीएस	खुड्डी
3.	रेंज	लड भरोल
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	बल्ह
6.	ब्लॉक ऑफिस	दलेड़
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	07
9.	गठन की तिथि	27-04-2018
10.	बैंक खाता सं.	31510104165
11।	बैंक विवरण	एचपीएससीबी लड भरोल
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	175(25 प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	9000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक	सदस्यों का नाम एवं पता	पद का नाम	आयु	लिंग	श्रेणी/व्यवसाय	फोटो
1.	श्रीमती चंचला देवी पत्नी स्व. ओम प्रकाश गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 62300-91377	उप-प्रधान	42	महिला	जनरल कृषि	
2.	श्रीमती अंजू देवी पत्नी श्री तेज सिंह गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 9817690437	सचिव	40	महिला	जनरल कृषि	
3.	श्रीमती पवना देवी पत्नी श्री रोशन लाल गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 98173-32646	सदस्य	45	महिला	जनरल कृषि	
4.	श्रीमती रीता देवी पत्नी श्री रविन्द्र कुमार गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 96257-61028	सदस्य	39	महिला	जनरल कृषि	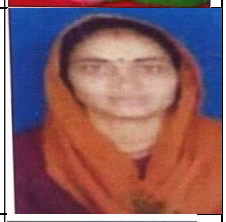
5.	श्रीमती ज्योति देवी पत्नी श्री शरवन कुमार गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 7876853943	सदस्य	36	महिला	जनरल कृषि	
6.	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री कृष्ण चंद गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 82618-84068	सदस्य	42	महिला	जनरल कृषि	
7.	श्रीमती जोसेफिना पत्नी श्री जगदीश चंद गांव बल्ह, डाकघर पंजालग जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) 8351967588	सदस्य	48	महिला	जनरल कृषि	

स्वयं सहायता समूह का नाम:एकता निहारी बल्ह **वीएफडीएस:**खुड्डी रेंज: लाड भरोल वन मंडल : जोगिंदर नगर

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	90 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	1किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	30 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	32 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी - 90 किमी लड़ भडोल - 30 किमी जोगिंदर नगर - 32 किमी पालमपुर - 46 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	मंडी, लाड भरोल, जोगिंदर नगर, पालमपुर

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह ने पत्तल बनाने की आय सृजन गतिविधि को चुना है। यह IGA इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। 25 प्लेटों का बंडल बनाने की प्रक्रिया में शुरू में 30 मिनट लगेंगे। बाद में, यह समय कम हो जाएगा क्योंकि समूह के सदस्य मशीन का उपयोग करने में सहज हो जाएंगे। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और नजदीकी बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	मशीनों द्वारा तौर पत्तल बनाना।
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह सदस्यों द्वारा यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि तुअर के पत्तों की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में है तथा प्लेट बनाने की प्रक्रिया भी आसान है। साथ ही बाजार में प्लेट की भारी मांग भी है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

मशीन पर पत्तल बनाने का प्रशिक्षण जेआईसीए परियोजना द्वारा आपूर्तिकर्ता के माध्यम से समूह सदस्यों को मौके पर ही मशीन पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर प्रदर्शन सहित प्रशिक्षण का पूरा खर्च जेआईसीए परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

वीएफडीएस खुड्डी के वन क्षेत्र में तोर के पत्ते बहुतायत में हैं। समूह के सदस्य इन तोर के पत्तों को इकट्ठा करके तोर पत्तल बनाने में इस्तेमाल करेंगे। पत्तल बनाने की प्रक्रिया में जंगल से पत्ते इकट्ठा करके उन्हें मशीन स्थापित करने वाली जगह पर लाना समय लेने वाला काम है।

पत्तल बनाने की मशीन की स्थापना के साथ, समूह ने निम्नानुसार श्रम विभाजन का सुझाव दिया है: -

- मशीन चलाने वाले: -01 सदस्य
- मौके पर पत्तल बनाना:-03 सदस्य
- पत्तल का संग्रहण एवं परिवहन (मैनुअल एवं वाहन) - 02 सदस्य
- उत्पाद की बिक्री:-संयुक्त रूप से
- अपने समूह के मुद्रित लोगो की व्यवस्था करना- 1 सदस्य (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा)
- खाता प्रबंधन- 1 सदस्य

समूह में कुल 07 सदस्य होने के कारण वे कार्य को कुशलतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। प्रत्येक मासिक बैठक में वे प्रत्येक सदस्य का कार्य विभाजित करेंगे तथा उनका मासिक उत्पाद लक्ष्य निर्धारित करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सदस्य की भूमिका में परिवर्तन भी कर सकेंगे।

8. उत्पादन योजना -

1.	उत्पादन चक्र	मंडी जिले में तौर पत्तल की मांग आम तौर पर सभी गांवों और शहरी क्षेत्रों में है और आमतौर पर लोग विवाह और अन्य धार्मिक समारोह में उपयोग के लिए पत्तल खरीदते हैं। तोर के पत्तों की भारी मांग है क्योंकि वे पर्यावरण के अनुकूल हैं और लोग इसके प्रति जागरूक हैं तथा पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान देना चाहते हैं। जंगल में पत्तल बनाने और तौर पत्तों की उपलब्धता 10 महीने के लिए होती है और ये पत्ते जून या जुलाई में उपलब्ध नहीं होते हैं।

2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या में)	सभी महिलाएं. पत्तल बनाने की मशीन की स्थापना के बाद समूह के सदस्यों के बीच श्रम का विभाजन निम्नानुसार होगा: मशीन चलाने की क्षमता: -01सदस्य मौके पर पत्तल बनाना:-03सदस्य पत्तल का संग्रहण एवं परिवहन (मैनुअल एवं वाहन):-02 सदस्य उत्पाद की बिक्री:-संयुक्त रूप से अपने समूह के मुद्रित लोगो की व्यवस्था करना- 1 सदस्य (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा) खाता प्रबंधन- 1 सदस्य
3.	कच्चे माल का स्रोत	पास का जंगल.
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (प्लेटें)	9000 ब्राउन कार्डबोर्ड पेपर और टॉर पत्ते 400 किलो
6.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (प्लेटें)	प्रति माह 9000 प्लेटें

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाज़ार स्थान	मंडी, लाड भरोल, पालमपुर,जोगिंदर नगर
2	इकाई से दूरी	90 किमी 30 किमी 32 किमी 46 किमीक्रमश:
3	उत्पादन बाज़ार/स्थानों की मांग	पत्तलों की मांग पूरे साल रहती है। संभावित मांग शादी-ब्याह और अन्य धार्मिक कार्यों में होगी।
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से अपना उत्पाद बेचेंगे। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेताओं के माध्यम से भी अपने उत्पाद को बेचा जाएगा। शुरुआत में उत्पाद को 25 पत्तलों प्रति बंडल में बेचा जाएगा।

6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है।
7	उत्पाद "नारा"	"एसएचजी का एक उत्पाद- पर्यावरण अनुकूल पत्तल"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
  - उत्पादन लागत कम है
  - अन्य समान उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा कम।
  - एक अच्छी तरह से स्थापित ब्रांड बनने की उच्च संभावना.

- कमजोरी-
  - मशीन से पत्तल बनाने का अनुभव न होना।
  - नये स्वयं सहायता समूह को प्रबंधन एवं योजना बनाते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

- अवसर-
  - इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि इसी श्रेणी के अन्य उत्पाद कम हैं जो पर्यावरण अनुकूल हैं।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
  - शादी-ब्याह और अन्य समारोहों के दौरान इसकी मांग बहुत अधिक होती है। स्थानीय खाद्य स्टॉलों से भी इसकी दैनिक मांग आ सकती है।

- खतरे/जोखिम-
  - समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी तथा समूह के सदस्यों के बीच श्रम वितरण में नेतृत्व की कमी।
  - वर्षा ऋतु के दौरान तथा वृक्षों से पत्ते गिरने के समय वनों से कच्चे माल की उपलब्धता बहुत कम हो जाएगी।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपनी भूमिका तय करेंगे और जिम्मेदारी निभाना काम। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार बांटा जाएगा क्षमताएं.

- ❖ कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- ❖ कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	1.5 एचपी मोटर वाली डबल डाई वाली पत्तल बनाने की मशीन	1	1,85,000	1,85,000
2	सिलाई इकाइयाँ	1	15,000	15,000
कुल पूंजी लागत (ए) =		**2,00,000**		

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	श्रम लागत	महीना	7	350/दिन	73,500
2	कमरे का किराया	महीना		2,000	2,000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	0.2 प्रति शीट	10,000
4	परिवहन	महीना		2,000	2,000
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना		2,000	2,000
6	भूरे रंग का कार्डबोर्ड पेपर	महीना		0.2 प्रति शीट	10,000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 99,500					

सी. उत्पादन की लागत		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	99,500
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	20,000
कुल = 1,19,500		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	पत्तल का उत्पादन	महीना	30,000
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य	3 रुपये प्रति यूनिट	90,000

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	20,000
2	कुल आवर्ती लागत	99,500
3	कुल उत्पादन (प्लेट)	30,000
4	विक्रय मूल्य (प्रति प्लेट)	3 रुपए
5	आय पीढ़ी	90,000
6	शुद्ध लाभ (विक्रय मूल्य (3 रुपये प्रति प्लेट) - उत्पादन मूल्य (1.5 रुपये प्रति प्लेट))	90,000 - 30,000 = 60,000
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + श्रम लागत	60,000+ 73,500 = 1,33,500
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

13. निधि की आवश्यकता -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	2,00,000	150000	50000
2	कुल आवर्ती लागत	99,500	0	99,500
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		3,49,500	200000	1,49,500

14. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों कीसभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद

- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

16. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति प्लेट)-उत्पादन लागत (प्रति प्लेट))

= 2,00,000 / (3-1.5)

= 1,33,334

इस प्रक्रिया में 1,33,334 प्लेटें बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

17. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण के रूप में होगा सीमा और सीसीएल के लिए है पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद चाहिए सीसीएल के माध्यम से भेजा जाएगा।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

18. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

19. टिप्पणी

समूह का आगामी लक्ष्य मशीन पत्तल और दूना आदि के रूप में मूल्य संवर्धन करके अपनी आय बढ़ाना है। इस उत्पाद से जुड़ा कोई ब्रांड न होने के कारण खुद को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करना है। अपने उत्पाद की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने और उचित विनिर्माण योजना को बनाए रखने के द्वारा उन्होंने इसे हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करें।

20. समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम:एकता निहारी बल्ह **वीएफडीएस:**खुड्डी रेंज: लाड भरोल वन मंडल : जोगिंदर नगर

21. संकल्प-सह-समूह-सहमति प्रपत्र:

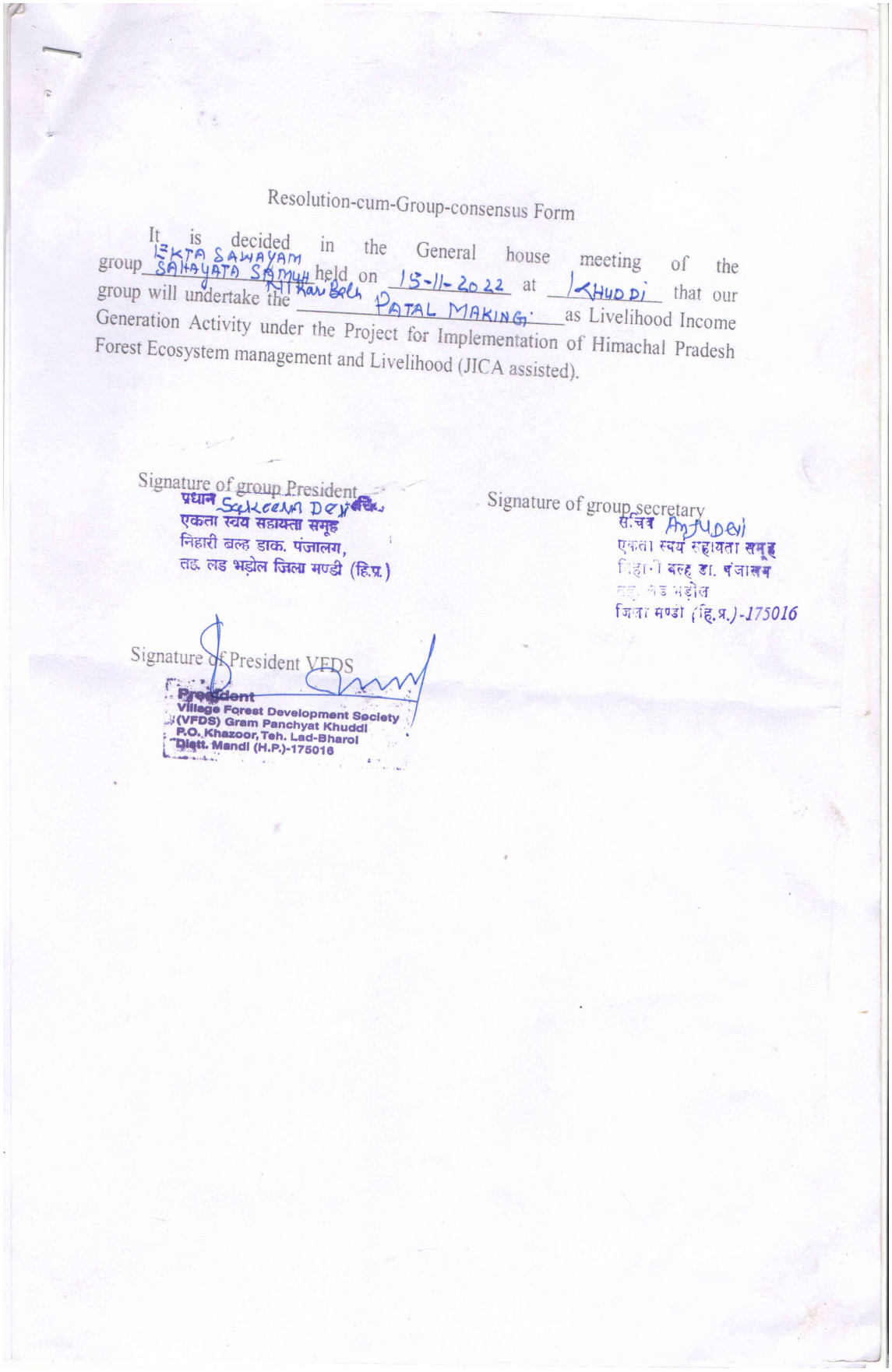

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group EKTA SAWAYAM SAHAYATA SAMUH Nihari Balh held on 15-11-2022 at KHUDDI that our group will undertake the PATAL MAKING as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature of group President

प्रधान Sakeena Devi
एकता स्वयं सहायता समूह
निहारी बल्ह डाक. पंजालग,
तह. लड भड़ोल जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature of group secretary

सचिव Anju Devi
एकता स्वयं सहायता समूह
निहारी बल्ह डा. पंजालग
तह. लड भड़ोल
जिला मण्डी (हि.प्र.)-175016

Signature of President VFDS

President
Village Forest Development Society
(VFDS) Gram Panchyat Khuddi
P.O. Khazoor, Teh. Lad-Bharol
Distt. Mandi (H.P.)-175016

22. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन:

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

EKTA SAHAYAM SAHAYATA SAMUH Nihari Balh Group will undertake the PATAL MAKING as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 3,49,500 has been submitted by the group on 16.11.2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Khuddi P.O. Khazoor, Tehsil Lad Bharol Distt. Mandi H.P.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature of group President

प्रधान Sakeena Devi
एकता स्वयं सहायता समूह
निहारी बल्ह डाक. पंजालग,
तह. लड भड़ोल जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature of group secretary

सचिव Anju Devi
एकता स्वयं सहायता समूह
निहारी बल्ह डा. पंजालग
तह. लड भड़ोल
जिला मण्डी (हि.प्र.)-175016

Signature of President VFDS

President
Village Forest Development Society
(VFDS) Gram Panchayat Khuddi
P.O. Khazoor, Teh. Lad-Bharol
Distt. Mandi (H.P.)-175016

Approved

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

DMU cum DFO Joginder Nagar